Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-840

M.A. (Final Year) Examination, (Distance Mode) June-2020

SANSKRIT LITERATURE

Paper - I

MAHAKAVYA SAMUH-MAHAKAVYA, GEETI AVAM STROT

Time : Three Hours

Maximum Marks : 70

Minimum Pass Marks : 21

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इकाई–I

Q.1. निम्नलिखित की सन्दर्भ–प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिये। 14

i) अविद्यानामन्तस्तिमिर द्वीप नगरी
जडानां चैतन्यस्तबक मकरन्दस्रुतिझरी ।
दरिद्राणां चिन्तामणिगुणनिका जन्मजलधौ
निमग्नानां दंष्ट्रा मुररिपुवराहस्य भवति ।।

ii) प्रत्यासन्ने नभसि दयिताजीवितालम्बनार्थी
जीमूतेन स्वकुशलमयीं हारयिष्यन्प्रवृत्तिम् ।
स प्रत्यग्रैः कुटजकुसुमैः कल्पिताधाय तस्मैः
प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार ।।

iii) विहङ्गराजाङ्गरुहैरिवायतैर्हिरण्मयोर्वीरुहवल्लितन्तुभिः ।
क्रतोपवीतं हिमशुभ्रमुच्चकैर्घनं घनान्ते तडिताङ्गणैरिव ।।

iv) अमुष्य विद्या रसनाग्नर्तकी त्रयवि नीताङ्गगुणेन विस्तरम् ।
अगाहताष्टादशतां जिगीषया नवद्वयद्वीप पृथञ्जयश्रियाम् ।।

इकाई–II

Q.2. सौनदर्यलहरी के आध्यात्मिघक चिन्तन पर प्रकाश डालिये। 14

इकाई–III

Q.3. गीतिकाव्य परम्परा में मेघदूत का स्थान निरुपित कीजिये। 14

इकाई–IV

Q.4. काव्यगत गुणों के आधार पर शिशुपालवधम् महाकाव्य की समीक्षा कीजिये। 14

इकाई–V

Q.5. ''नैषधं विद्वदौषधम्'' इस उक्ति की सम्यक् विवेचना कीजिये। 14